यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार: 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/70/2017 **दिनांक :** 24.08.2017

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

22 अगस्त की हड़ताल एक शानदार सफलता

इस सन्दर्भ में हमने अपने विगत परिपत्र संख्या 2016–19/69/2017 दिनांक 22.08.2017 के माध्यम से न सिर्फ अभूतपूर्व सफल हड़ताल के लिए आपको हार्दिक बधाई दी थी वरन् एआईबीईए के महामंत्री की प्रैस विज्ञप्ति का अनुदित सार भी प्रस्तुत किया था। यूएफबीयू ने भी अपनी ओर से सभी घटक यूनियनों के सदस्यों को बधाई दी है जिसे एआईबीईए ने अपने परिपत्र संख्या 28/22/2017/22 दिनांक 24.08.2017 के माध्यम से पुर्नप्रसारित किया है। हम अपनी इकाईओं एवं सदस्यों की सूचना एवं संज्ञान हेतु इसका अनुदित सार नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

बधाईयाँ एवं अभिवादन
एकता और जुझारूपन के लिए आप सभी को सलाम
हमारी 22 अगस्त की हड़ताल एक अनुगूंज वाली सफलता बनी
अब, 15 सितम्बर को संसद के सम्मुख विरोध के लिए आगे बढ़ें
यूएफबीयू परिपत्र का प्रलेख

'' हम 22 अगस्त, 2017 की अखिल भारतीय हड़ताल के लिए हमारे यूएफबीयू के आह्वान को एक अनुगूंज वाली सफलता बनाने के लिए सभी घटक यूनियनों और हमारे सभी सदस्यों को अपनी बधाईयाँ एवं मुबारकवाद देते हैं। यह बढ़ी हुई भागीदारी के साथ सबसे सफल हड़तालों में से एक थी, विशेष रूप से युवा कर्मचारियों एवं अधिकारियों की बड़ी संख्या द्वारा, जिनमें से कई प्रदर्शनों और सभाओं में सबसे आगे थे।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, उनकी बैंकिंग सुधार कार्यसूची को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण हड़ताल आवश्यक थी। जब कि बैंक अपने व्यवसाय में वृद्धि की अपेक्षा करते हैं, सरकार पर्याप्त पूंजी नहीं दे रही है, इस प्रकार बैंकों को निजी पूंजी का सहारा लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है, इस प्रकार बैंकों के निजीकरण को लक्षित किया जा रहा है। इसी प्रकार, जब सरकार सभी के लिए बैंकिंग की बात करती है, वे बैंकों

जारी पृष्ठ 2

के समेकन की बात कर रहे हैं जो मौजूदा बैंकिंग सेवाओं को कम करेगा और जिसका परिणाम शाखाओं की बन्दी होगा। खराब ऋणों को हल करने के लिए मुकदमेबाजी के मार्ग पर चलने के लिए बैंकों को मजबूर करने के द्वारा बढ़ते हुए खराब ऋणों की मुख्य समस्या को एक ओर हटाया जा रहा है बजाय खराब ऋणों को वसूल करने के लिए कठोर उपाय करने और जानबूझकर चूककर्ताओं पर कठोर कार्रवाई करने के। हमारी हड़ताल इन अनुचित उपायों के विरूद्ध एक उपयुक्त विरोध थी।

विभिन्न केन्द्रों से हमें प्राप्त हो रहीं सूचनाओं के अनुसार, हमारी सभी यूनियनों और सदस्यों द्वारा हड़ताल में उत्साहपूर्वक भागीदारी की गई और प्रदर्शनों और सभाओं में बड़े पैमाने पर भाग लिया गया। प्रैस और मीडिया में कवरेज भी प्रभावशाली रही और हमारी माँगों को बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचाने में मदद मिली। हमारी हड़ताल के कारण बैंकिंग सेवायें बड़े पैमाने पर प्रभावित और पंगु हो गई थीं। यहां तक कि प्रबंधन की सूचनाओं के मुताबिक, हड़ताल कार्रवाई के लिए हमारे सदस्यों की प्रतिक्रिया अप्रत्याशित रही है। हम इस एकता, एकजुटता और जुझारूपन के लिए तथा हड़ताल को एक सम्पूर्ण सफलता बनाने के लिए हमारी सभी यूनियनों और सदस्यों का धन्यवाद करते हैं।

संगठित हों और 15 सितम्बर 2017 को संसद के सम्मुख हमारी विरोध सभा को एक शानदार सफलता बनायें :

जैसा कि हमारी सभी यूनियनों को ज्ञात है, हमारा अगला कार्यक्रम 15 सितम्बर, 2017 को संसद के सम्मुख हमारा मोर्चा और विरोध सभा है। हमारी सभी यूनियनों से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए हमारे सदस्यों को संगठित करने का अनुरोध किया जाता है।''

अभिवादन सहित,

आपका साथी,
ह0...
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री

दिल्ली चलो दिल्ली चलो दिल्ली चलो

15 सितम्बर 2017 के संसद मोर्चे हेतु आगे बढ़ें

बैंकों को बचायें – अर्थव्यवस्था को बचायें – राष्ट्र को बचायें – जनसामान्य को बचायें